॥ श्रीमन नारायण नारायण नारायण ॥

नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण । (२)

बनाई है किस्मत तेरे पास आ के । मुझे तुने दे दी नई जिन्दगानी ॥
तेरे नाम का आसरा मिल गया है । हे करतार तेरी बडी महेरबानी ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

तुम्ही को में आनंद घन चाहता हूँ । जगत का नही कोई धन चाहता हूँ ॥
ना रह जाये मुझमे कोई मोह माया । प्रभु तुम में तल्लिन मन चाहता हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

वही अब करू जो की तुम चाहते हो । में चाहो का अपनी गमन चाहता हूँ ॥
जहां चित्त चंचल हो जग के सुखो में । वहा पर में उसका शमन चाहता हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

ना पूछो यह मुझ से ये क्या देखता हूँ । मैं तेरी नजर में खुदा देखता हूँ ॥
खुशी और गमी बराबर है मुझ को । मै सब में ही तेरी रझा देखता हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

मिट जिस तेरे रसिय यह भव दुःख बंधन । में ऐसा ही साधन भजन चाहता हूँ ॥
नही दिख रहा है अब कोई किनारा । गुरुवर अब तुम्हरी शरण चाहता हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

मेरे मन के मंदिर में गुरुवर तुम्हारी । कृपानाथ ज्योति सदा जगमगाये ॥
तेरे दर पे आये हम बन के पूजारी । नही भाव भक्ति का कम होने पाये ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

अब प्रभु कृपा करो एंही भांति । सब तजी भजन करू दिन राती ॥
हमें देना अनुराग अर्जुन की भांति । शयन में भी जिव्हा रहे गुनगुनाती ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

सेवा की महिमा समझ हम को आये । यह जीवन सदा सेवा में बिताये ॥
कही भूल कर भूल हो ने ना पाये । कही भाव सेवा का मन से ना जायें ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

मन में कही ना अहंकार आये । तेरे चरणो का ध्यान खोने न पायें ॥
रहे श्वास चलती तन में जब तक । हर इक श्वास गुणगाण तेरा ही गायें ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

विश्वास मन का यह जाने ना पाये । गुरुवर के हम है गुरुवर हमारे ॥
तुम्हारे अलावा गुरुजी जगत में । नही कोई नैया हमारी संवारे ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

तुम्हे पा के हमने जहां पा लिया है । जमी तो जमी आसमां पा लिया है ॥
अब मन में गुरुनाम का ही रटन हो । ह्रदय में धरे ध्यान गुरुवर तुम्हारा ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

कृपा सिन्धु सदगुरु जो कुछ कह रहे है । वो वाणी भुलाने के काबिल नही है ॥
बड़े भाग्य से ऐसा अवसर मिला है । र्निअर्थक बिताने के काबिल नही है ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

मेरे बिगड़े जीवन को तुमने बनाया । मेरे सब विकारो को तुमने मिटाया ॥
यह कैसा है जादू समझ मे ना आया । तेरे प्यार ने हम को जीना सिखाया ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

कृपा तुम्हारी वो पाते रहगें । विवेकी संयम को बढाते रहेगें ॥
मिलेगी नहीं शान्ति उनको कही भी । जो परमात्मा को भुलाते रहेगें ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

कही मुझको अभिमान आने ना पायें । असत्त दृश्य सत्त से डिगाने ना पायें ॥
यह सुख दुःख मन को भूलाने ना पायें । कही भी समय व्यर्थ जाने ना पायें ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

जो कुछ दिखता है रहेगा ना सब दिन । कहां तक यह मन को फ़साते रहेगें ॥
गुरुचरणो में ही मन को लगाकर । सदा शान्ति आनंद पाते रहेगे ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

यह माना कि दाता है तु हर जहां का । मगर झोली आगे फैलाऊं तो कैसे ॥
जो पहले दिया है वही कम नही है । उसे ही उठाने के काबिल नही हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

बनाई है किस्मत तेरे पास आके । मुझे तुमने दे दी नई जिन्दगानी ॥
हमें देना अनुराग अर्जुन की भांति । शयन में भी जिह्वा रहे गुनगुनाती
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

किसीका सुखद प्यार कब तक रहेगा । ये संसार व्यव्हार कब तक रहेगा ॥
जो माना है अधिकार कब तक रहेगा । तु ना समझ पाया महा मुठ्ता है ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

बहुत कमाया अंत ना पाया । जग को रिझाया समय गवाया ॥
बहुत खिलाया देह बठाया । पाप कमाया नहीं समाझाया ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

जमाने की चाहत ने सब को रुलाया । हरि नाम हरगिज जुंबा पे ना आया ॥
हे मालिक तेरा गुनेहगार हूँ मैं । तुम्हे मुहँ दिखाने के काबिल नही हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

तुम्ही ने अदा की मुझे जिन्दगानी । मगर तेरी महिमा नहीं मैने जानी ॥
कर्जदार इतना में तेरी दया का । अब कर्जा चुकाने के काबिल नही हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

तमन्ना यही है की सिर को झुका के । तेरा दर्श एक बार जी भर के करलूं ॥
सिवा आँसु बिन्दु के ऐ मेरे मालिक । मैं कुछ भी चढाने के काबिल नही हूँ ॥
नारायण श्रीमन नारायण (२)
नारायण नारायण श्रीमन नारायण नारायण नारायण (२)
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)
गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... (२)
माता नारायण पिता नारायण । गुरुजी नारायण नारायण नारायण ॥
हरि नारायण नारायण नारायण । सत्य नारायण नारायण नारायण ॥
हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... हरि ॐ ... (२)
गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... गुरु ॐ ... (२)